पंजाब केसरी 28/03/2026

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में सी.पी.आर. व बी.एल.एस. प्रशिक्षण सत्र आयोजित

अम्बाला, 27 मार्च (बलराम): गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अम्बाला कैंट में जी.एम.एन. कॉलेज, अम्बाला कैंट तथा जी.एम.एन. कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों को जीवन रक्षक तकनीकों में दक्ष बनाने के उद्देश्य से कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन सी.पी.आर. व बेसिक लाइफ स्पोर्ट, बी.एल.एस. पर एक प्रभावी प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र रोटरी हॉस्पिटल, अम्बाला द्वारा आयोजित किया गया, जिसकी अगुवाई डॉ. संजीव ने की।

प्रशिक्षण सत्र का संचालन एनेस्थिसियोलॉजिस्ट डॉ. अनुभव एवं उनकी क्रिटिकल केयर टीम द्वारा किया गया। उन्होंने नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुसार सी.पी.आर. व बी.एल.एस. की प्रक्रियाओं को विस्तारपूर्वक समझाया तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं सही निर्णय लेने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कॉलेज ट्रस्ट एंड मैनेजमेंट सोसाइटी, अम्बाला कैंट की कोषाध्यक्ष अनुराधा बख्शी की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने विद्यार्थियों को इस प्रकार के प्रशिक्षण की उपयोगिता एवं आवश्यकता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि समय पर दिया गया सही प्राथमिक उपचार किसी भी व्यक्ति का जीवन बचा सकता है।

छात्राओं को जानकारी देते हुए डॉ. अनुभव एवं उनकी टीम। (चंदमोहन)

प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान किया गया, बल्कि वन-टू-वन प्रैक्टिस सैशन के माध्यम से प्रत्येक छात्र को सी.पी.आर. तकनीकों का व्यक्तिगत अभ्यास भी कराया गया। इस व्यावहारिक प्रशिक्षण से विद्यार्थियों में आपातकालीन परिस्थितियों में कार्य करने का आत्मविश्वास विकसित हुआ। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सी.पी.आर. प्रक्रिया, छाती दबाव, श्वसन सहायता तथा आपातकालीन प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण कौशलों को सीखा।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राम लखन माली ने रोटरी हॉस्पिटल, अम्बाला के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए डॉ. संजीव, डॉ. अनुभव और अनुराधा बख्शी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों की क्लिनिकल दक्षता को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर जी.एम.एन. कॉलेज, अम्बाला कैंट के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के समय में जीवन रक्षक कौशलों का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अत्यंत आवश्यक है। सी.पी.आर. और बी.एल.एस. जैसे प्रशिक्षण न केवल चिकित्सकीय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हैं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में आत्मविश्वास के साथ कार्य करने के लिए तैयार करते हैं और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।